SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

बैहर पठार में जनसंख्या वद्धि एवं शिक्षा का स्तरः एक भौगोलिक विश्लेषण

श्यामबती सांडील, Ph.D., स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, **मनोज मिश्रा,** Ph.D., उप प्राचार्य
सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय, नवापारा, राजिम, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
श्यामबती सांडील, Ph.D.
मनोज मिश्रा, Ph.D.
E-mail : shyamasandil@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 30/08/2024
Revised on : 21/10/2024
Accepted on : 02/11/2024
Overall Similarity : 00% on 23/10/2024

शोध सार

किसी क्षेत्र की प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास को जनसंख्या प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। किसी क्षेत्र में संसाधन एवं जनसंख्या का संतुलन भी विकास के स्तर को निर्धारित करता है। मानव संस्कृति के निर्माता एवं प्राकृतिक संसाधनो के उत्पादन एवं उपभोक्ता के रूप में महत्वपूर्ण संसाधन है। जनसंख्या की विशेषताओं के अर्न्तगत आयु लिंग, साक्षरता, व्यवसाय, धर्म, इत्यादि समाहित है। आज शिक्षा जनसंख्या नियंत्रण में कारगर साबित हो रही है। शिक्षित लोगो की तुलना में अशिक्षितों के बीच जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है। आँकलन किया जाए तो अच्छे परिणाम हो सकते है। निरंतर बढ़ती जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों के भौतिक साधनों पर व्यापक प्रभाव डालते है। बैहर पठार में बढ़ती जनसंख्या और शिक्षा का स्तर एवं गम्भीर चुनौती के रूप में उभरी है। जनसंख्या प्रतिरूप विश्लेषण एवं शिक्षा का स्तर का आंकलन इस तथ्य की ओर इंगित करता है कि संबंधित नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि और शिक्षा का सतर के मध्य सहसंबंध है। क्या उपलब्ध शिक्षा के साधन वर्तमान जनसंख्या के अनुकुल है एवं जनसंख्या के समक्ष शिक्षा का स्तर दयनीय है। प्रस्तुत शोध–पत्र में बैहर पठार की जनसंख्या पर शिक्षा का क्या प्रभाव है इसका विश्लेषण करना एवं शिक्षा स्तर के मध्य अन्तर को समझने का प्रयास एवं रेखांकित करने की कोशिश की गई। भविष्य में जनसंख्या वृद्धि एवं शिक्षा स्तर के संदर्भ में कैसी नियोजन नीति की आवश्यकता हो सकती है इस का अध्ययन किया गया हैं।

मुख्य शब्द

जनसंख्या वृद्धि, शिक्षा प्राकृतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक विकास.

प्रस्तावना

आधुनिक युग में जनसंख्या का अध्ययन बड़ा महत्वपूर्ण हो गया है। यह प्रदेश के सामाजिक आर्थिक विकास को प्रभावित करता है। प्रत्येक देश की जनसंख्या उस देश का महत्वपूर्ण संसाधन होता है क्योंकि उनके द्वारा ही वहॉ के संसाधनो का उपयोग किया जाता है। मनुष्य के तकनीकि ज्ञान का स्तर वहां के आर्थिक विकास के लिए शक्ति प्रदान करता है। जनसंख्या वृद्धि के कारण किसी भी देश का सम्पूर्ण मानव समाज कई तरह की कठिनाईयों और अभावों का सामना कर रहा है। इसकी वजह से न केवल कुपोषण एवं अन्य बीमारियों से सामना करना पड़ता है, बल्कि रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधाओं के बड़े पैमाने पर वंचित रहना पड़ता है।

प्राकृतिक दृष्टिकोण से बैहर पठार सामान्य ऊॅचाई पर पर्वतों तथा निचली पर्वत श्रेणियों के साथ एक समतल या साधारण उच्च भूमि है। यह आग्नेय चट्टानों, पटिताश्मों स्तरित चट्टानों तथा निचली बलुआ पत्थरो से बना है। पठार के मध्य में स्थित टीपागढ़ की ऊॅचाई 840.40 मीटर है जो उत्तर पूर्व की ओर बहने वाली गुरार, भांगरा तथा तन्नोर नंदियॉ, बंजर नदी से मिलती है यह नर्मदा की सहायक नदियां है। उत्तर पश्चिम में जल विभाजक के समानांतर अन्य पर्वत श्रेणियॉ सावर झोरी (634.6 मीटर) बरिया (548.7 मीटर) लूटना (798 मीटर) है।

अध्ययन क्षेत्र

बैहर पठार मध्य प्रदेश राज्य के दक्षिण में बालाघाट जिले में स्थित है। यह प्रदेश 2206′ से 2201′ उत्तरी अक्षांश तथा 80035′ से 80055′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। बैहर पठार सतफुड़ा–मैकल श्रेणी की एक भाग है। पठार की समुद्रतल से ऊॅचाई 567 मीटर (1860 फीट) है। प्रदेश का क्षेत्रफल 910.50 वर्ग किलोमीटर है। बैहर पठार का विस्तार बालाघाट जिले के बैहर तहसील, परसवाड़ा तथा लांजी तहसील में हैं। यहॉ की जनसंख्या 5,80,002 (2011) है जिसमें ग्रामीण जनसंख्या 5,08,850 एवं शहरी जनसंख्या 71,152 है। इसमें 2,86,600 पुरूष तथा 2,93,402 महिला शामिल है।

बैहर पठार के उत्तर में मण्डला जिला दक्षिण पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य दक्षिण में लांजी तहसील तथा पश्चिम में परसवाड़ा तहसील से घिरा है।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बैहर पठार में जनसंख्या वृद्धि एवं शैक्षणिक स्तर के मध्य अर्न्तसंबन्धों का अध्ययन करना तथा उनके कारकों का अध्ययन करना एवं उनके निराकरण हेतु सुझाव प्रसतुत करना है।

विधि तंत्र

प्रस्तुत शोध–पत्र प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ो पर आधारित है। प्राथमिक ऑकड़ो का संकलन साक्षात्कार एवं अनुसूची के माध्यम से किया गया है। इस अध्ययन के लिए अध्ययन क्षेत्र के 405 परिवारो का चयन आय को आधार मानकर उद्देश्य पूर्ण किया गया है।

द्वितीयक ऑकड़ो का संकलन जनसांख्यिकीय कार्यालय से प्राप्त किये गये। अध्ययन क्षेत्र एक कृषि प्रधान देश है जहॉ की कुल जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग कृषि पर ही आश्रित है। तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण संसाधनों पर निरंतर दबाव पढ़ता जा रहा है। कृषि पर आश्रितो की अधिक संख्या होने के कारण कृषिगत संसाधनों पर सर्वाधिक दबाव दृष्टिगत हो रहा है। इन्ही तथ्यों को ध्यन में रखते हुए अध्ययन क्षेत्र का चयन किया गयौ जिसके माध्यम से अध्ययन क्षेत्र विकास प्रक्रिया एवं जनसंख्या को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन किया जा सके।

सारणी क्रमांक 01: बैहर पठार – सर्वेक्षित परिवारों में शैक्षणिक स्तर

शैक्षणिक स्तर	पुरूष		महिला		कुल	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
मात्र साक्षर	19	1.17	16	0.98	35	2.16
प्रायमरी	119	7.34	136	8.38	255	15.72
मिडिल	232	14.30	155	9.56	387	23.87
हायर सेकेण्डरी	182	11.22	181	11.16	363	22.37
स्नातक–स्नातकोत्तर	80	4.93	54	3.33	134	8.26
तकनीकी	32	1.97	7	0.43	39	2.40
शिक्षक	664	40.94	549	33.84	1213	74.78
अशिक्षित	190	11.71	219	13.50	409	25.22
कुल	854	52.64	768	47.35	1622	100.00

(**स्त्रोतः** प्राथमिक समंक)

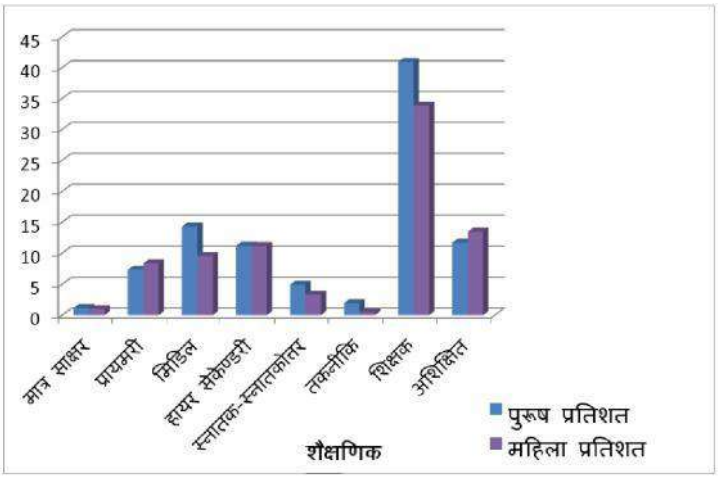

सारणी क्रमांक 02: बैहर पठार जनसंख्या वृद्धि

वर्ष	जनसंख्या	जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत में
1981	238,574	16.4
1991	301,641	20.7
2001	337,182	23.1
2011	580,002	39.8

(**स्त्रोतः** भारत की जनगणना 2011)

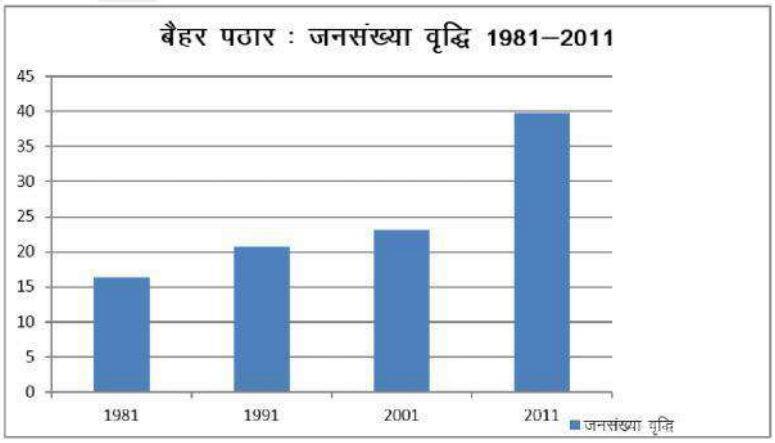

सारणी से स्पष्ट होता है कि साक्षरता जनसंख्या का एक महत्वपूर्ण भाग है। साक्षरता का किसी भी समाज के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है कि किसी भी देश के सामाजिक विकास, आर्थिक प्रगति तथा राजनैतिक प्रौढ़ता उसके नागरिको के शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर निर्भर करता है। शिक्षा मनुष्य के सामाजिक एवं मानसिक प्रथकत्व को भी समाप्त करता है। इसके अतिरिक्त शिक्षा जन्मदर, मृत्युदर, विवाह की आयु प्रभाव तथा आर्थिक प्रतिरूपों को प्रभावित करता है।

बैहर पठार के सर्वेक्षित परिवारों में शिक्षा का स्तर असमान्य है। इसका मुख्य कारण सर्वेक्षित परिवारों की आय में भिन्नता है। अध्ययन क्षेत्र में कुल सर्वेक्षित जनसंख्या 1622 है जिसमे 40.94 प्रतिशत पुरूष तथा 33.84 प्रतिशत महिलाएँ शिक्षित है। इसी प्रकार 11.71 प्रतिशत पुरूष तथा 13.50 प्रतिशत महिलाएं अशिक्षित सर्वेक्षित कुल जनसंख्या का 2.16 प्रतिशत जनसंख्या मात्र साक्षर है। 15.72 प्रतिशत जनसंख्या प्रायमरी 23.87 प्रतिशत जनसंख्या मिडिल 22. 87 प्रतिशत जनसंख्या हार सेकेण्डरी 8.26 प्रतिशत जनसंख्या स्नातक–स्नातकोत्तर तथा 2.40 प्रतिशत जनसंख्या तकनीकि शिक्षा प्राप्त की है।

जनसंख्या वृद्धि से इस बात का आभास होता है कि किसी भी क्षेत्र निवासियो के रहन–सहन का स्तर वहाँ के संसाधन के उपयोग से किस सीमा तक प्रभावित हुआ है। जनसंख्या वृद्धि की गणना के लिए सामान्यतः तीन विभिन्न विधियों ज्यामितीय परिवर्तन घातांक परिवर्तन एवं गणितीय परिवर्तन का प्रयोग किया जाता है। बैहर पठार की जनसंख्या देश के अन्य क्षेत्रो की जनसंख्या के समान ही निरंतर बढ़ती जा रही है। प्रदेश की जनसंख्या 1981 में 2,38,574 थी जो 1991 में बढ़कर 3,01,641, 2001 में 3,37,182 तथा वर्ष 2011 के जनगणना अुनसार 5,80,002 हो गई। प्रदेश में शिक्षा के प्रचार–प्रसार में न्यूनता के कारण जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ती जा रही है।

समस्याएँ

1. परिवारों की मुख्य समस्या आय की विभिन्नता है।
2. उच्च आय वर्ग एवं न्यूनतम आय स्तर पर व्यापक अन्तर पाया गया जो व्यक्तियों की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है।
3. साक्षरता का किसी भी समाज के विकास पर गहरा प्रभाव पड़ता है।
4. विभिन्न भागो में आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक चेतना इत्यादि में अन्तर पाया गया जिसके कारण शैक्षणिक स्तर में भी भिन्नता देखने को मिला।

सामाधान

अध्ययन क्षेत्र में आर्थिक विकास एवं उच्च जीवन स्तर में वृद्धि हेतु उच्च शिक्षा के विकास की आवश्यकता है क्योंकि किसी भी देश की सामाजिक विकास, आर्थिक प्रगति, तथा राजनैतिक प्रौढ़ता उसके नागरिकों के शिक्षा एवं प्रशिक्षण पर निर्भर करता है।

इसके अतिरिक्त शिक्षा, जन्मदर, मृत्युदर, विवाह की आयु प्रभाव तथा आर्थिक सामाजिक एवं मानसिक प्रथकत्व को भी समाप्त करता है। उनके अधिकारों के हनन का मुख्य कारण अशिक्षा है।

संदर्भ सूची

1. हीरालाल (1997) *जनसंख्या भूगोल,* वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर।
2. सिंह, राजेश कुमार (2016) सिवान जनपद के जनसंख्या संभाग, *Journal of Integrated Development and Research*, Dec 2016, volume 6, Issue 2, p. 71-75.
3. राय, दुर्गेश (2021) तहसील सिकंदरफर (जनपद बलिया) में जनसंख्या वृद्धि एवं कृषिगत विकास एक भौगोलिक अध्ययन, *Uttar Pradesh Geographical Journal*, Vol. 26, p. 146-151.

4. तिवारी, आर.के. (2015) *जनसंख्या भूगोल,* प्रवालिका पब्लिकेशन, इलाहाबाद।
5. पांड़ा बी.पी. (2007) *जनसंख्या भूगोल,* मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी भोपाल।
6. https://www.censusindia.co.in/subdistrict/baiher-tehsil-balaghat-madhya-pradesh-3674, Accessed on 10/05/2024.

****